DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 January, 2024

बीएसएफ क्षेत्राधिकार का विस्तार

संदर्भ: *इस समय भारतीय उच्चतम न्यायालय पंजाब में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकार क्षेत्र के विस्तार से संबंधित विवाद पर अंतिम सुनवाई शुरू करने वाला है, जिसकी कार्यवाही अगले चार सप्ताह में शुरू होने वाली है।*

➢ **पृष्ठभूमि:**

- गृह मंत्रालय ने 11 अक्टूबर 2021 को सीमा सुरक्षा बल के अधिकार क्षेत्र के विस्तार संबंधी एक अधिसूचना जारी की थी।
- कुछ समय पहले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम में बढ़ाया गया था।
- पंजाब सरकार ने दिसंबर 2021 में इस अधिसूचना को चुनौती दी थी।

➢ **बीएसएफ क्षेत्राधिकार विस्तार के कारण:**

- बीएसएफ की स्थापना वर्ष 1968 में भारत की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए की गई थी।
- इसे विभिन्न कानूनों के तहत संदेहास्पद व्यक्तियों को गिरफ्तार करने, तलाशी लेने और उसकी सामाग्री जब्त करने का अधिकार है।
- बीएसएफ अधिनियम की धारा 139(1), केंद्र सरकार को बीएसएफ शक्तियों के लिए क्षेत्रों को नामित करने की अनुमति देती है।
- अक्टूबर 2021 से पहले, बीएसएफ के अधिकार में सीमा के आसपास केवल 15 किमी के भीतर के क्षेत्र थे; इसे 50 किमी तक बढ़ाया गया है।

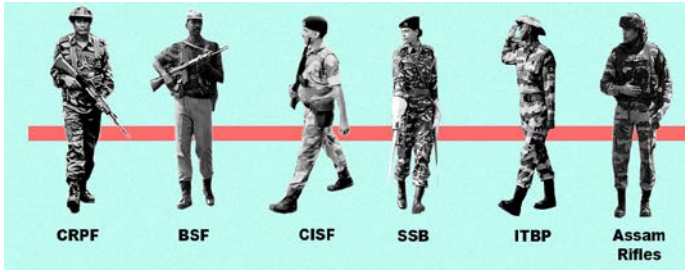

➢ **50 किमी के भीतर बीएसएफ शक्तियों का दायरा:**

- वर्तमान अधिसूचना आपराधिक प्रक्रिया संहिता, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत प्रदत्त शक्तियों को निर्दिष्ट करती है।
- तथापि अभी भी अन्य केंद्रीय कानूनों के लिए, 15 किलोमीटर की सीमा बनी हुई ही है।

➢ **विस्तार के लिए उद्धृत कारण:**

- ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहनों के उपयोग का बढ़ना।
- उनकी लंबी दूरी की क्षमता युक्त निगरानी, हथियारों की तस्करी और नकली मुद्रा जैसे गतिविधियों को नियंत्रित कर सकती हैं।
- मवेशी की तस्करी; से जुड़े लोग अक्सर बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अपनी गतिविधी संचालित करते हैं।

➢ **पंजाब की चुनौती:**

- गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के विरुद्ध पंजाब ने सुप्रीम कोर्ट में एक मुकदमा दायर किया है।
- केंद्र सरकार और राज्यों के बीच विवादों के निपटान लिए अनुच्छेद 131 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के पास 'मूल क्षेत्राधिकार' संबंधी अधिकार हैं।
- राज्य पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था के मामलों पर कानून बनाने की अपनी विशेष शक्तियों के कारण भारतीय सर्वोच्च न्यायालय इस समझौते का दावा करता है।
- केंद्र सरकार पर संबंधित राज्यों से परामर्श किए बिना अधिसूचना जारी करने का आरोप है।

➢ **सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष तर्क:**

- पंजाब के अतिरिक्त महाधिवक्ता ने तर्क दिया, कि पंजाब में घनी आबादी वाले क्षेत्र 50 किलोमीटर के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।
- साथ ही अंतरराष्ट्रीय सीमा वाले राज्यों यथा गुजरात और राजस्थान में कम आबादी वाले क्षेत्रों के साथ इसकी तुलना की जानी चाहिए।

➢ **अन्य राज्यों की प्रतिक्रिया:**

- अक्टूबर 2021 की अधिसूचना के बाद पश्चिम बंगाल ने भी अपना प्रतिरोध दिखाया था।
- पश्चिम बंगाल विधानसभा ने इसे वापस लेने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया है।

➢ **सर्वोच्च न्यायालय के विचार हेतु मुद्दे:**

- सर्वोच्च न्यायालय इस बात का मूल्यांकन करेगी, कि क्या अधिसूचना मनमानी थी या उसके कोई वैध कारण थे।
- यह इस बात का भी निर्धारण करेगी कि क्या अधिसूचना स्थानीय पुलिस शक्तियों में हस्तक्षेप करती है और संविधान के तहत राज्य की शक्तियों का अतिक्रमण करती है।
- साथ ही "सीमाओं से सटे स्थानीय सीमाओं के भीतर" क्षेत्रों को नामित करते समय विचार करने योग्य कारकों पर भी निर्णय करेगी।
- सर्वोच्च न्यायालय इस बात पर भी विचार करेगी कि क्या इन स्थानीय सीमाओं को निर्धारित करने में सभी राज्यों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए।
- अन्य बातों के अलावा सर्वोच्च न्यायालय यह निर्धारित करेगी कि, क्या इस अधिसूचना को संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत मूल मुकदमे के माध्यम से चुनौती दी जा सकती है।

14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी)

संदर्भ: *इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी) का 14वां संस्करण 25 जनवरी, 2024 को मनाया जाना निर्धारित किया गया है।*

➢ इस वर्ष एनवीडी 2024 की थीम, 'नथिंग लाइक वोटिंग, आई वोट फॉर श्योर,' पिछले वर्ष से प्रेरित है।

➢ इस कार्यक्रम में चुनाव संचालन के विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देते हुए माननीय राष्ट्रपति द्वारा 2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनावी पुरस्कार भी प्रदान किये जाएंगे।

➢ वर्ष 2023 के दौरान आईटी पहल, सुरक्षा प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन, सुलभ चुनाव, मतदाता सूची और मतदाता जागरूकता में उनके योगदान के लिए राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

➢ ईसीआई प्रकाशन की पहली प्रति 'आम चुनाव 2024 के लिए ईसीआई पहल' मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार द्वारा माननीय राष्ट्रपति को प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें समावेशी, सुलभ और भागीदारीपूर्ण चुनावों के लिए पहल का अवलोकन प्रदान किया जाएगा।

➢ फिल्म निर्माता श्री राज कुमार हिरानी के सहयोग से ईसीआई द्वारा निर्मित 'माई वोट माई ड्यूटी' नामक एक लघु मतदाता जागरूकता फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। इस फिल्म में लोकतंत्र की भावना और एक वोट की शक्ति को उजागर करने वाली मशहूर हस्तियों के संदेश शामिल होंगे।

Electoral Cycle

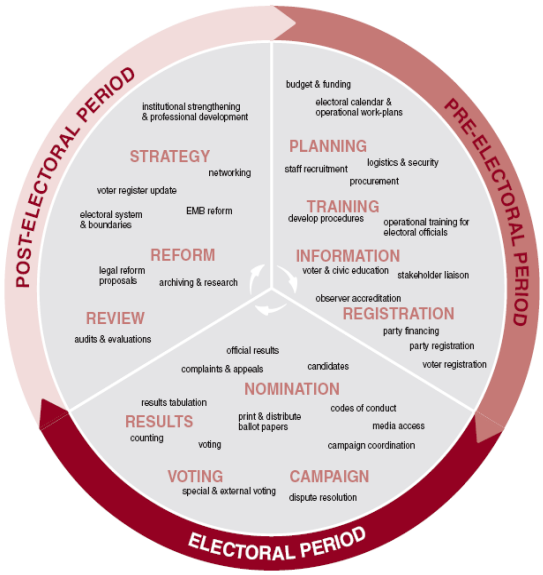

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 January, 2024

- इस वर्ष 25 जनवरी, 2024 को, भारत का चुनाव आयोग राष्ट्र के लिए अपनी सेवा का 75वां वर्ष मना रहा है, और इस अवसर पर, "समावेशी चुनाव" थीम पर एक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा।
- विदित हो कि, राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी) 2011 से प्रतिवर्ष 25 जनवरी को मनाया जा रहा है, जो 1950 में भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस को चिह्नित करता है।
- **भारत चुनाव आयोग (ECI):**
  - ECI एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है, जो संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं की देखरेख करता है।
  - इसे संविधान के अनुरूप 25 जनवरी 1950 को स्थापित किया गया।
  - यह अलग-अलग राज्य चुनाव आयोगों द्वारा संचालित पंचायतों और नगर पालिकाओं को छोड़कर, विभिन्न पदों के लिए चुनाव प्रक्रियाओं की देखरेख करता है।
  - यह भारतीय संविधान के भाग XV (अनुच्छेद 324-329) द्वारा शासित होता है।
  - अनुच्छेद-324 के तहत भारतीय संविधान चुनाव आयोग (ECI) को चुनाव का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार देता है।
  - अनुच्छेद-325 धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची में भेदभाव को रोकता है।
  - अनुच्छेद-326 वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव की बात करता है।
  - आरम्भ में मूल रूप से एक चुनाव आयुक्त होते थे, बाद में इसमें एक मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों को शामिल कर लिया गया।
  - राज्य स्तर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, एक आईएएस रैंक का अधिकारी, चुनाव आयोग का सहयोग करता है।
  - राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
  - इनका कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक निश्चित है।
  - चुनाव आयोग की वर्तमान संरचना में सीईसी और दो चुनाव आयुक्त शामिल हैं।
  - चुनाव आयुक्तों को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान दर्जा और सुविधाएं प्राप्त होती हैं।
  - इनका कार्यकाल पूरा होने से पूर्व चुनाव आयोग आयुक्त इस्तीफा दे सकते हैं या हटाए जा सकते हैं।
  - चुनाव आयोग आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया संसद द्वारा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के समान प्रक्रिया का पालन करती है।

तीसरा राष्ट्रीय संचार (टीएनसी) और प्रारंभिक अनुकूलन संचार

संदर्भ: *दिसंबर 2023 में, भारत ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) में अपना तीसरा राष्ट्रीय संचार (TNC) और प्रारंभिक अनुकूलन संचार प्रस्तुत किया।*

- **उत्सर्जन स्तर:**
  - वर्ष 2019 में, भारत का शुद्ध राष्ट्रीय उत्सर्जन 2.6 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य(CO2e) तक पहुंच गया।
  - इसमें 2016 के स्तर से 4.56% की वृद्धि और 1994 के स्तर से 115% की वृद्धि देखी गई।
- **प्रमुख उत्सर्जन योगदानकर्ता:**
  - इस समय भी कार्बन डाइऑक्साइड प्राथमिक ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) बनी रही, जो 2019 में कुल उत्सर्जन का 79% थी।
  - इसके लिए जीवाश्म ईंधन के दहन में वृद्धि, पशुधन से मीथेन उत्सर्जन तथा एल्यूमीनियम और सीमेंट का बढ़ता उत्पादन प्रमुख योगदानकर्ता हैं।
- **राष्ट्रीय संचार रिपोर्ट:**
  - UNFCCC सम्मेलन के अनुच्छेद 4 और 12 के अनुरूप तैयार की गई रिपोर्ट में विभिन्न स्रोतों द्वारा जीएचजी उत्सर्जन सहित सिंक द्वारा निष्कासन की एक व्यापक सूची शामिल है।
  - यह वैश्विक उत्सर्जन प्रवृत्ति गणना के लिए प्रासंगिक सामग्री और कन्वेंशन कार्यान्वयन के लिए किसी देश के कदमों पर जानकारी प्रदान करता है।

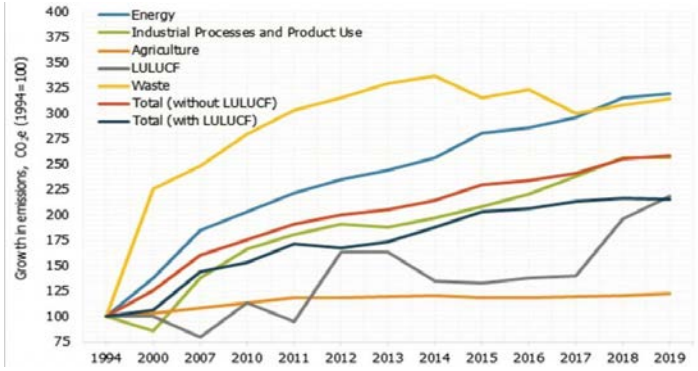

- **टीएनसी डेटा और विश्लेषण:**
  - इस तीसरे नेशनल कम्युनिकेशन (टीएनसी) में 2019 तक का उत्सर्जन डेटा शामिल है, जबकि पिछले विश्लेषण में (तीसरी द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट) में वर्ष 2016 तक का डेटा शामिल था।
  - जलवायु संकट से निपटने के लिए वर्तमान में उत्सर्जन डेटा का आवधिक विश्लेषण महत्वपूर्ण है।
- **क्षेत्रीय योगदान (1994-2019):**
  - वर्ष 2016 और 2019 के बीच सभी क्षेत्रों में उत्सर्जन में वृद्धि देखी गई।
  - भूमि उपयोग और परिवर्तन एवं वानिकी (एलयूएलयूसीएफ) के अनुसार उत्सर्जन निष्कासन की औसत दर 14% है।
- **ऊर्जा क्षेत्र का प्रभुत्व:**
  - वर्ष 2019 में कुल जीएचजी उत्सर्जन में तीन-चौथाई योगदान करते हुए ऊर्जा क्षेत्र सबसे अधिक योगदानकर्ता रहा।
  - वर्ष 2016 के बाद से उत्सर्जन में 10% की वृद्धि के साथ, जीवाश्म ईंधन-आधारित बिजली उत्पादन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- **औद्योगिक प्रक्रियाएं और उत्पाद उपयोग (आईपीपीयू):**
  - सीमेंट, एल्युमीनियम और चूने के उत्पादन के कारण वर्ष 2019 में आईपीपीयू उत्सर्जन में 16% की वृद्धि हुई।
  - जलवायु परिवर्तन के कारकों में सीमेंट उत्पादन को सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता है।
- **कृषि उत्सर्जन:**
  - कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी में मामूली गिरावट के बावजूद, कृषि से पूर्ण उत्सर्जन में 3.2% की वृद्धि हुई।
  - कृषि क्षेत्र से जलवायु परिवर्तन के प्रमुख योगदानकर्ता आंत्र किण्वन, चावल की खेती, खाद प्रबंधन आदि हैं।
- **अपशिष्ट क्षेत्र की चुनौतियाँ:**
  - वर्ष 2019 में अपशिष्ट क्षेत्र से जीएचजी उत्सर्जन 2.34% था।
  - वर्तमान में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण अपशिष्ट प्रबंधन में चुनौतियाँ यथावत बनी हुई हैं।
- **LULUCF सेक्टर प्रभाव:**
  - LULUCF सेक्टर ने वर्ष 2019 में भारत के 20% CO2 उत्सर्जन को हटाकर एक नेट सिंक के रूप में काम किया।
  - अन्य के अतिरिक्त जंगल की आग ने इस उत्सर्जन में योगदान दिया, जिससे जलवायु संतुलन प्रभावित हुआ।
- **भारत की जलवायु प्रतिबद्धताएँ:**
  - भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं में वर्ष 2021-2030 के लिए भारत के अद्यतन एनडीसी में सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करना और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 50% संचयी विद्युत क्षमता प्राप्त करना शामिल है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- इस संदर्भ में वर्ष 2005 और 2019 के बीच उत्सर्जन की तीव्रता में 33% की कमी आई, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं की दिशा में भारत की प्रगति को दर्शाता है।

➢ **आर्थिक विकास और उत्सर्जन को अलग करना:**

- तीव्र आर्थिक विकास के बावजूद, भारत ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप, ऊर्जा तीव्रता में गिरावट का प्रदर्शन किया।
- गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित बिजली उत्पादन वर्ष 2021 में 2030 के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए 41% से अधिक हो गया।

➢ **कार्बन सिंक निर्माण:**

- वर्ष 2005 और 2021 के बीच, भारत ने 1.97 बिलियन टन CO_2 समकक्ष का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाया।

➢ **जंगल की आग का प्रभाव:**

- जंगल की आग ने LULUCF क्षेत्र में उत्सर्जन में योगदान दिया और जलवायु परिवर्तन एवं वन संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों को भी उजागर किया।

➢ **समग्र उत्सर्जन रुझान:**

- कुल राष्ट्रीय उत्सर्जन (LULUCF सहित) वर्ष 2016 की तुलना में 4.56% बढ़ गया।

➢ **वैश्विक महत्व:**

- जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों के लिए उत्सर्जन डेटा का आवधिक विश्लेषण अनिवार्य है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय

हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय को एक अंतरराष्ट्रीय संगठन का दर्जा प्राप्त है जिसके पास **'विशेषाधिकार और छूट' हैं** और इसके खिलाफ एक रिट याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के बारे में:

- दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय (SAU) एक अंतरसरकारी विश्वविद्यालय है जिसे दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) देशों की सरकारों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।
- यह विदेश मंत्रालय के दायरे में है और नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में अकबर भवन परिसर में स्थित है।
- विश्वविद्यालय को प्रायोजित करने वाले आठ देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं।
- विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य "दक्षिण एशिया के प्रतिभाशाली और सबसे समर्पित छात्रों को उदार और मानवीय शिक्षा प्रदान करके" क्षेत्रीय चेतना को मजबूत करना है।

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन:

- दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) दक्षिण एशियाई राष्ट्रों का एक अंतर-सरकारी संगठन और भू-राजनीतिक संघ है।
- यह संगठन कल्याण को बढ़ावा देकर, जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाकर और आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देकर दक्षिण एशियाई समुदायों के उत्थान का प्रयास करता है।
- इसकी स्थापना 8 दिसंबर 1985 को हुई थी, जब आठ देशों के राष्ट्राध्यक्षों या सरकारों के प्रमुखों ने ढाका में सार्क चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे।
- इसका मुख्यालय काठमांडू, नेपाल में है।

ज़ोंबी वायरस

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि आर्कटिक पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से 'ज़ोंबी वायरस' फैल सकते हैं और वैश्विक चिकित्सा आपातकाल की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

ज़ोंबी वायरस के बारे में:

- ज़ोंबी वायरस (मैथुसेलह रोगाणु) ऐसे रोगजनक हैं जो जमी हुई मिट्टी में हजारों वर्षों तक जीवित रह सकते हैं।
- वे पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध के 20% हिस्से के नीचे दबे हुए हैं, मुख्यतः आर्कटिक क्षेत्र में।
- ज़ोंबी वायरस में बीमारियाँ फैलाने की क्षमता होती है और आधुनिक मनुष्यों में इन प्रागैतिहासिक वायरल आक्रमणकारियों के खिलाफ प्राकृतिक प्रतिरक्षा की कमी होती है।
- यह संक्रमण त्वचा के माध्यम से दूषित ऊतकों को काटने और मनुष्यों में प्रत्यारोपित करने से फैलता है।
- वैज्ञानिकों को डर है कि "ज़ोंबी वायरस" अगली महामारी का कारण बन सकते हैं, जो कि COVID-19 के समान या उससे भी खतरनाक हो सकती है।
- संक्रामक बनने वाला सबसे लंबे समय तक जमा हुआ वायरस पेंडोरावायरस येडोमा है, जो 48,500 वर्ष पुराना है।

मेलानिस्टिक टाइगर सफारी

हाल ही में, ओडिशा सरकार ने मेलानिस्टिक टाइगर सफारी स्थापित करने की घोषणा की है जो दुनिया में अपनी तरह की पहली होगी।

मेलानिस्टिक टाइगर्स के बारे में:

- मेलानिस्टिक बाघों को काले बाघ के रूप में भी जाना जाता है और ये गहरे काले या लगभग काले रंग के होते हैं , जिस पर फीकी या लगभग अदृश्य धारियाँ होती हैं।
- उनकी धारियाँ सामान्य बाघ की तुलना में अधिक गहरी होती हैं।
- उनमें एक आनुवंशिक स्थिति होती है जिसे मेलानिज्म के नाम से जाना जाता है, जहां त्वचा और फर में गहरा रंग (मेलेनिन) अत्यधिक विकसित हो जाता है।
- मेलानिस्टिक बाघों की सबसे बड़ी आबादी भारत के सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है, साथ ही थोड़ी संख्या भारत के अन्य हिस्सों और दक्षिण पूर्व एशिया में भी पाई जाती है।
- ये कोई विशिष्ट प्रजाति नहीं हैं बल्कि बंगाल टाइगर का एक दुर्लभ रंग रूप हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भटकता अल्बाट्रॉस

हाल ही में, यह पाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण **भटकता** (वांडरिंग) अल्बाट्रॉस के घोंसले वाले स्थान खतरे में पड़ सकते हैं, जिससे उनके विलुप्त होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

भटकता अल्बाट्रॉस (Wandering Albatross) के बारे में:

- भटकता हुआ अल्बाट्रॉस (डायोमेडिया एक्सुलान्स) दुनिया का सबसे बड़ा उड़ने वाला पक्षी है।
- यह एक समुद्री खानाबदोश है और वे अपने जीवन के 60 वर्षों का अधिकांश समय समुद्र में बिताते हैं और यौन परिपक्वता तक पहुंचने के बाद लगभग हर दो साल में प्रजनन के लिए भूमि पर आते हैं।
- यह विशाल दक्षिणी महासागर, विशेष रूप से मैरियन द्वीप और प्रिंस एडवर्ड द्वीप जैसे द्वीपों में पाया जाता है।
- यह डायोमेडिया जीनस का सबसे बड़ा सदस्य है जिसके पंखों का फैलाव 3 मीटर तक और शरीर का वजन 8-12 किलोग्राम है।
- यह एक ही अंडा देती है और हर दूसरे वर्ष ही प्रजनन करती है।
- मैरियन और प्रिंस एडवर्ड द्वीप समूह वैश्विक भटकती अल्बाट्रॉस प्रजनन आबादी के लगभग आधे हिस्से (अनुमानित 20,000 परिपक्व व्यक्तियों) को आवास प्रदान करते हैं।
- इसे इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर द्वारा अतिसंवेदनशील दर्जा प्राप्त है।

सुर्खियों में स्थल

पीला सागर

हाल ही में उत्तर कोरिया ने पीले सागर की ओर कई क्रूज मिसाइलें दागी हैं।

पीले सागर के बारे में:

- पीला सागर पश्चिमी प्रशांत महासागर का सीमांत सागर है।
- यह कोरियाई प्रायद्वीप और मुख्य भूमि चीन के बीच स्थित है।
- इसका नाम इसमें मिलने वाली प्रमुख चीनी नदियों के गाद युक्त पानी के रंग से आया है।
- चीन में हुआंग हाई और उत्तर और दक्षिण कोरिया में पश्चिमी सागर के नाम से जाना जाता है, इसकी लंबाई 870 किलोमीटर और चौड़ाई 556 किलोमीटर है।
- यह दुनिया में महाद्वीपीय शेल्फ के सबसे बड़े उथले क्षेत्रों में से एक है
- पीला सागर के बेसिन देशों में चीन, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया शामिल हैं।
- इसकी जलवायु ठंडी, शुष्क सर्दियाँ और गर्म, आर्द्र ग्रीष्मकाल वाली है।
- पीले सागर में गर्म धारा त्सुशिमा धारा का हिस्सा है, जो जापान में क्यूशू के पास से निकलकर उत्तर की ओर बहती है।
- तटीय खेती और समुद्री व्यापार के साथ यह उत्तरी चीन के सबसे विकसित आर्थिक क्षेत्रों में से एक है।

POINTS TO PONDER

- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में, किस शहर ने स्वच्छता में उच्च स्थान प्राप्त किया? **- सूरत ने भी इस बार इंदौर के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इंदौर ने लगातार 6 वर्षों तक अकेले शीर्ष स्थान हासिल किया था।**
- भारत में किस राज्य के 60 पैराशूट फील्ड अस्पताल को हाल ही में सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार (एससीबीएपीपी)-2024 के लिए चुना गया है? **- उत्तर प्रदेश**
- न्यूयॉर्क शहर से पहली ट्रांसकॉन्टिनेंटल टेलीफोन कॉल करते समय सैन फ्रांसिस्को में लाइन के दूसरे छोर पर कौन था? **- थॉमस वाटसन**
- अगस्त केकुले द्वारा संश्लेषित किस सुगंधित हाइड्रोकार्बन की संरचना एक सांप द्वारा अपनी ही पूंछ खाने के सपने से जुड़ी हुई है? **- बेंजीन (C6H6)**
- भारत रत्न के लिए राष्ट्रपति को नामों की सिफारिश कौन करता है? – **प्रधानमंत्री**